हरेला महोत्सव 2024

चर्चा में क्यों?

हरेला एक हिंदू त्योहार है जो **उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों,** विशेषकर कुमाऊँ क्षेत्र में बड़े उत्साह के साथ **मनाया** जाता है।

मुख्य बिंदु

- **हिंदू चंद्र-सौर कैलेंडर के अनुसार, हरेला श्रावण मास के पहले दिन पड़ता है, जो** मानसून के मौसम **की शुरुआत और नई फसलों की बुवाई का प्रतीक है।**
  - यह राज्य की **कृषि के लिये एक महत्त्वपूर्ण समय** है, क्योंकि यह "हरेला" का प्रतीक है, जो कुमाऊँनी शब्द "हरियाला" से लिया गया है, जिसका अर्थ है **"हरियाली का दिन"**, ऐसा माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति कुमाऊँ क्षेत्र से हुई थी।
- यह त्योहार **भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच विवाह के औपचारिक उत्सव** से जुड़ा हुआ है।
  - **हरियाली या रिहायली का त्योहार हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, शिमला, सिरमौर और जुब्बल तथा किन्नौर क्षेत्रों के दक्षिण में मनाया जाता है,** जहाँ लोग अच्छी फसल एवं समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।
  - **यह अवसर किसानों के लिये शुभ माना जाता है, क्योंकि यह उनके खेतों में बुवाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/harela-festival-2024